केविके पर लगा धान का क्रॉप कैफेटेरिया, लाभान्वित होंगे किसान

कानपुर, 19 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर के प्रक्षेत्र पर धान फसल की विभिन्न प्रजातियों के प्रदर्शन के लिए क्रॉप कैफेटेरिया लगाया गया है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि इससे जनपद के किसानों को धान फसल से संबंधित नवीनतम तकनीकी जानकारियां प्राप्त होंगी। डॉ. खान ने बताया कि धान की इन प्रजातियों के परीक्षण के उपरांत जनपद की जलवायु के अनुकूल जो प्रजातियां बेहतर परिणाम देंगी। उन्हें और अधिक किसानों के मध्य प्रचारित एवं प्रसारित किया जाएगा। जिससे किसान लाभान्वित हो। उन्होंने बताया कि संकर प्रजातियों, ऊसर सहनशील तथा सामान्य धान की 15 प्रजातियों का क्रॉप कैफेटेरिया लगाया गया है। उन्होंने बताया कि कृषक स्वयं क्रॉप कैफेटेरिया को देखकर धान की उत्तम प्रजातियों का मूल्यांकन कर सकेंगे और क्षेत्र के अनुकूल प्रजातियों का भी चयन कर सकेंगे।जिससे उन्हें लाभ प्राप्त हो।किसान एक ही जगह पर विभिन्न किस्मों की ऊंचाई, बालियों की लंबाई, और चमक देखकर तुलना कर सकते हैं।यह पता लगाना आसान हो जाता है कि कौन सी प्रजाति में कीट या बीमारी (जैसे ब्लास्ट, तना छेदक) जल्दी लगती है और कौन सी प्रतिरोधी है। धान क्रॉप कैफेटेरिया के माध्यम से किसान जान सकते हैं कि कौन सी किस्म कितने दिनों में पकती है और प्रति एकड़ कितना उत्पादन देती है।

धान की पौध रोपते किसान व साथ में मौजूद कृषि वैज्ञानिक।

हिंदुस्तान 20/07/2026

धान की 15 प्रजाति का क्रॉप कैफेटेरिया बनाया

कानपुर। किसान अब खेतों में धान की फसल लगाने से पहले उसका उत्पादन व गुणवत्ता का भी आकलन कर सकेंगे। जिससे उन्हें अपने खेतों में धान की प्रजाति का चयन करना आसान होगा। इसके लिए चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में धान का क्रॉप कैफेटेरिया विकसित किया गया है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने यह बताया।

अमर उजाला कानपुर देहात 20/07/2026

ऊसर भूमि में उगने वाली धान प्रजातियों का कैफेटेरिया शुरू, किसानों को मिलेगा लाभ

संवाद न्यूज एजेंसी

दिलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में लगाया गया, किसान पसंद की धान की किस्म चुन सकेंगे

कानपुर देहात। दिलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में ऊसर भूमि में उगने वाली धान प्रजातियों का कैफेटेरिया लगाया गया है। यहां विभिन्न धान प्रजातियों के प्रदर्शन को देखकर किसान पसंद की धान की किस्म चुन सकेंगे।

केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि संकर प्रजातियों, ऊसर सहनशील तथा सामान्य धान की 15 प्रजातियों का क्रॉप कैफेटेरिया लगाया गया है। किसान खुद क्रॉप कैफेटेरिया को देखकर धान की उत्तम प्रजातियों का चयन कर पाएंगे।

एक ही जगह पर विभिन्न किस्मों की धान पौधों की ऊंचाई, बालियों की लंबाई और चमक देखकर तुलना करना आसान हो जाता है। इससे फसल के तैयार होने की अवधि और प्रति एकड़ उत्पादन की जानकारी भी मिलेगी।

दिलीप नगर कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में ऊसर भूमि में उगने वाली धान की पौध की रोपाई कराते कृषि वैज्ञानिक। स्रोत- कृषि वैज्ञानिक

उन्होंने बताया कि धान कैफेटेरिया से जनपद के किसानों को धान फसल से संबंधित नवीनतम तकनीकी जानकारी मिल सकेगी। धान की इन प्रजातियों के परीक्षण के बाद जलवायु के अनुकूल जो प्रजातियां बेहतर परिणाम देंगी। ऐसी अच्छी किस्मों को किसानों के बीच प्रचारित किया जाएगा।

अमर उजाला 20/07/2026

सीएसए विश्वविद्यालय ने तैयार की क्रॉप कैफेटेरिया

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दलीपनगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में धान की उन्नत प्रजातियों के प्रदर्शन के लिए क्रॉप कैफेटेरिया स्थापित की गई है। इससे किसानों को नई कृषि तकनीक और बेहतर बीज चयन की जानकारी मिल सकेगी। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि इस कैफेटेरिया में संकर, ऊसर सहनशील तथा सामान्य धान की करीब 15 प्रजातियों का प्रदर्शन किया गया है। (ब्यूरो)

दि ग्राम टुडे 20/07/2026

धान क्रॉप कैफेटेरिया से किसानों को मिलेगा लाभ

दि ग्राम टुडे,
कानपुर देहात। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, दलीपनगर में धान की विभिन्न उन्नत प्रजातियों के प्रदर्शन के लिए क्रॉप कैफेटेरिया स्थापित किया गया है। इसका उद्देश्य किसानों को धान की नवीनतम एवं क्षेत्र के अनुकूल किस्मों की जानकारी उपलब्ध कराना है, ताकि वे बेहतर उत्पादन देने वाली प्रजातियों का चयन कर सकें। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि क्रॉप कैफेटेरिया में संकर, ऊसर सहनशील एवं सामान्य धान की कुल 15 प्रजातियों का प्रदर्शन किया गया है। इन प्रजातियों का परीक्षण कर जनपद की जलवायु के अनुरूप बेहतर परिणाम देने वाली किस्मों को किसानों के बीच व्यापक रूप से प्रचारित एवं प्रसारित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि किसान एक ही स्थान पर विभिन्न धान प्रजातियों की ऊंचाई, बालियों की लंबाई, दानों की चमक तथा पौधों की वृद्धि की तुलना कर सकते हैं। इसके साथ ही यह भी आसानी से समझ सकते हैं कि कौन–सी किस्म ब्लास्ट, तना छेदक जैसी बीमारियों एवं कीटों के प्रति अधिक प्रतिरोधी है। डॉ. खान ने कहा कि क्रॉप कैफेटेरिया किसानों को यह जानकारी भी देगा कि कौन–सी धान की किस्म कितने दिनों में तैयार होती है
, उसकी उत्पादन क्षमता कितनी है और स्थानीय परिस्थितियों में कौन–सी प्रजाति सबसे अधिक लाभकारी सिद्ध हो सकती है। इससे किसान वैज्ञानिक जानकारी के आधार पर अपनी खेती के लिए उपयुक्त धान की किस्म का

चयन कर सकेंगे और उत्पादन के साथ आय में भी वृद्धि होगी।

दैनिक जागरण
20/07/2026

धान की 15 प्रजाति का क्राप कैफेटेरिया तैयार

जागरण संवाददाता, कानपुर : जिले के किसान अब खेतों में धान की फसल लगाने से पहले उसकी गुणवत्ता और उत्पादन का भी आंकलन कर सकेंगे। इससे उन्हें अपने खेतों में धान की प्रजाति का चयन करना आसान होगा। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) ने दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) में धान का क्राप कैफेटेरिया विकसित किया गया है। इसमें धान की 15 प्रजातियां लगाई जा रही हैं।

केंद्र के वैज्ञानिक डा. खलील खान ने बताया कि इससे जिले के किसानों को धान फसल से संबंधित नवीनतम तकनीकी जानकारियां प्राप्त होंगी। धान की इन प्रजातियों के परीक्षण के बाद जिले की जलवायु के अनुकूल जो प्रजातियां बेहतर परिणाम देंगी, उन्हें किसानों के बीच प्रसारित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस कैफेटेरिया में 15 प्रजातियां संकर, ऊसर सहनशील और सामान्य धान की हैं। किसान खुद यहां आकर देखकर धान की उत्तम प्रजातियों का मूल्यांकन कर सकेंगे। यहां किसान एक ही जगह पर विभिन्न किस्मों की ऊंचाई, बालियों की लंबाई और चमक देखकर तुलना कर सकते हैं।

दैनिक जागरण